

लश्करी वि. (फा.) 1. लश्कर संबंधी, सेना संबंधी
2. लश्कर में काम करने वाला स्त्री. सेना या जहाज में काम करने वालों की बोली (खिचड़ी भाषा)।

लषण वि. (तत्.) इच्छा करने वाला।

लषना स.क्रि. (देश.) 1. देखना 2. समझना 3. जानना 4. ताड़ जाना।

लष्वी वि.पुं. (तद्.) लक्ष्मी स्त्री. लक्ष्मी।

लस पुं. (तत्.) 1. चिपकने या चिपकाने का गुण
2. चिपचिपाहट 3. गोंद, लासा. आधुनिक विज्ञान में रक्त का वह तत्व जो कुछ जीव जंतुओं को कई विशिष्ट रोगों से बचाता है।

लसक पुं. (तद्.) नाचने वाला, नर्तक।

लसकर पुं. (फा.) दे. लश्कर।

लसदार स्त्री. (तत्.+फा.) जिसमें लस हो, लसीला।

लसन स्त्री. (देश.) 1. लसने की अवस्था या भाव
2. शोभा, छटा 3. चमक, दीप्ति।

लसना अ.क्रि. (देश.) 1. किसी वस्तु का दूसरी वस्तु के साथ सट जाना, चिपकना 2. सुशोभित होना 3. चमकना 4. दिखाई देना स.क्रि. चिपकाना, लेसना।

लसम वि. (देश.) जिसमें खोट या मेल हो, खोटा।

लसरका पुं. (देश.) संबंध, ताल्लुक।

लसलसा वि. (देश.) 1. चिपचिपा 2. गोंद की तरह चिपकने वाला, लसीला, लसदार।

लसलसाना अ.क्रि. (देश.) चिपचिपाना, चिपकना।

लसलसाहट स्त्री. (देश.) लसदार होने की अवस्था या भाव, चिपचिपाहट।

लसिका स्त्री. (तत्.) 1. लाला, लार, थूक 2. पेशी।

लसित वि. (तत्.) 1. शोभित 2. उत्पन्न 3. प्रकट 4. क्रीड़ाशील।

लसी स्त्री. (देश.) 1. लस, चिपचिपाहट 2. ऐसी अवस्था जिसमें किसी के प्रति आकर्षण होने के

कारण उसके साथ रहने की इच्छा हो 3. साधारण सम्पर्क, मेल-जोल।

लसीका स्त्री. (देश.) लसिका पुं. प्राणी. वि. रक्त से आने वाला एक विशेष द्रव जो ऊतक कोशिकाओं को पोषण देने के पश्चात् रक्त में वापस चला जाता है। lymph टि. लसीका क्षारीय व रंगहीन होता है। यह रक्त में ऊतकों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है।

लसीला वि. (देश.) 1. जिसमें लस हो, लसदार, चिपचिपा 2. जो लस रहा हो, शोभायुक्त, सुंदर।

लसुन पुं. (तद्.) लहसुन।

लसुनिया पुं. (देश.) लहसुनिया।

लसोड़ा पुं. (देश.) एक प्रकार का छोटा पेड़ जिसका लसदार गूदा औषधि में प्रयोग होता है, इसके फल बेर जैसे होते हैं लाक्ष. किसी के साथ लगा रहने वाला व्यक्ति।

लसौटा पुं. (देश.) बाँस की वह लग्गी जिस पर चिड़ियाँ फँसाने के लिए लासा लगा होता है।

लस्टम-पस्टम अव्य. (अनु.) 1. बहुत साधारण रूप से, जैसे-तैसे 2. बहुत मंदगति से।

लस्त वि. (तत्.) 1. क्रीडित 2. शोभित 3. फबता हुआ वि. 1. थका हुआ, श्रम से शिथिल 2. अशक्त।

लस्तक पुं. (तत्.) धनुष का मध्य भाग।

लस्तकी पुं. (तत्.) धनुष।

लस्तगा पुं. (देश.) 1. सामान्य सम्पर्क या संबंध 2. सिलसिला, क्रम।

लस्सान वि. (अर.) 1. वाचाल 2. लफ्फाज, लच्छेदार बातें कहने वाला।

लस्सी स्त्री. (देश.) 1. दही का घोल अर्थात् वह घोल जिसे मथकर मक्खन निकाल लिया गया हो, मट्ठा 2. मथे हुए दही के घोल में बर्फ व चीनी मिलाकर बनाया गया शीतल पेय लाक्ष. तरल या पतला।